AMRITANJALI AYURVED OPC. PVT. LTD.

9 Saheli Nagar, New Polo Ground, Udaipur Raj. 313001 India

9799931200, 8279128863

E-MAIL :amritanjaliayurved2@gmail.com

amritstevia@gmail.com

Web : www.amritanjaliayurved.in

www.amritanjaliayurved.com

WORKSHOP

ONE DAY TRANING PROGRAMME

परिचय :–

कम्पनी द्वारा **सुगन्धित ,औषधिय खेती** ,जड़ी बूटियों की खेती एवं नई तकनीकी खेती से ऑर्गेनिक फार्मिंग करवाई जाती है। औषधिय सुगन्धित प्रसंस्करण एवं विपणन पर विभिन्न प्रकार की जानकारी उपलब्ध कराने का एक मात्र स्थान है। यहाँ पर हम जड़ी बूटी सवर्धन संरक्षण एवं उनके समग्र विकास के विभिन्न पहुलओं की जानकारी आम किसान तक पहुंचाने के लिये कृत संकल्प हैं किसान सफल खेती कर रहे हैं जिसकों **समय–समय पर प्रोयोगिक प्रशिक्षण** व व्यापार की जानकारी दी जा रही है तथा माल वापिस खरीद कर बाइ बेक एग्रीमेन्ट करती है जिससे आम किसान को बाजार के लिये भटकना न पड़े तथा **सफल खेती** कर सके।

औषधिय एवं सुगन्धित पौधों की व्यावसायिक स्तर पर खेती

कम्पनी जिस भूमि पर प्लांट तैयार करती है उस भूमि पर सर्वप्रथम **मिट्टी व पानी परीक्षण** किया जाता है उसके पश्चात् समस्त **समस्या का सामाधान** करके उस भूमि पर जहाँ तक हो सके **ऑर्गेनिक पध्दति से प्रोजेक्ट** तैयार किया जाता है जिससे उस उत्पादन का **विदेश में मांग** हो सके ओर उचित मूल्य मिल सकें।

कम्पनी के उद्देश्य

- ✓ औषधिय व सुगन्धित खेती का प्रचार–प्रसार करना, गांव–गांव तक जानकारी देना।
- ✓ कृषकों को तकनीकी जानकारी व **प्रशिक्षण (ट्रेनिंग)** देना।
- ✓ बंजर भूमि एवं कम जल स्तर वाली भूमि में जैविक खेती के माध्यम से **स्वरोजगार के अवसर** बढ़ाना।
- ✓ न्युनतम पानी उपयोग आने वाले **औषधिय फसलों को बढ़ावा** देना व **सम्पूर्ण जानकारी** देना।
- ✓ **सरकारी अनुदान, बैंक ऋण** तथा मार्केट की जानकारी अवगत कराना।
- ✓ **ड्रिप सिस्टम** बूंद–बूंद सिंचाई द्वारा फसलों को बढ़ावा देना।
- ✓ **वर्मीकम्पोस्ट** द्वारा तैयार फसलों को बढ़ावा देना व अधिकृत एजेन्सी के माध्यम से **ऑर्गेनिक सर्टिफाइड** कराना।
- ✓ रतनजोत व बायोडिजल प्लांटस का व्यापक स्तर पर खेती कराना
- ✓ सभी फसलों के लिये बायो ऑर्गेनिक पेस्टीसाईड (नीम) बायो ऑर्गेनिक मैन्योर (नीम की खाद व केचूए की खाद) के उपयोग को बढ़ावा देना।

औषधिय सुगन्धित फसलों की खेती की आवश्यकता क्यों?

- ✓ औषधिय खेती करने से कृषक को रबी, खरीफ की फसलों से लगभग पाँच गुना ज्यादा लाभ होता है।
- ✓ औषधिय फसलों में कुछ फसलें ऐसी भी है जिन्हे **कम पानी से अधिक पैदावार** तथा अधिक लाभ साथ ही कम देखभाल की आवश्यकता होती है।
- ✓ कई फसलें जिन्हे अधिक उपजाऊ भूमि की आवश्यकता नही होती है।
- ✓ **5 से 40 वर्ष तक उत्पादन** बार–बार बुवाई करने की **समस्या से छूटकारा** ,बैंक ऋण सुविधा भी उपलब्ध।
- ✓ राष्ट्रिय व अन्तर्राष्ट्रीय बाजार से सीधा सम्बन्ध

जैविक खेती

जैविक खेती देशी खेती का उन्नत तरीका है। जहां प्रकृति व पर्यावरण को फलित रखते हुये खेती की जाती है। जैविक कृषि में किसी भी प्रकार के रासायनिक उत्पादनों का प्रयोग वर्जित है। अधिकांशतः किसानों द्वारा ही जुटाने होते हैं। रबी, खरीफ की फसलों को नई तकनीकी जैविक पद्धति से ऑर्गोनिक कराना, जिससे किसानों को तैयार फसल का अच्छा लाभ प्राप्त हो सके। APEDA से अधिकृत एजेन्सी के माध्यम से सर्टिफाइड कराना एंव सम्पूर्ण कन्सलटेन्सी देना। ऑर्गेनिक सर्टिफिकेशन के लिये आवश्यक बिन्दुओं का अनुसरण करना अनिवार्य है। सर्वप्रथम आवेदन भरना है। एजेन्सी द्वारा प्रदत्त आवेदन प्रारूप को पूर्ण एवं स्पष्ट रूप से भर कर कम्पनी से जमा करना। आवेदन प्रारूप को भरने के लिये कम्पनी आपकी सहायता करती है।

एजेन्सी एवं कम्पनी द्वारा ऑर्गेनिक सर्टिफिकेशन के लिये समय – समय पर शुल्क लिया जाता है, जो किसान को जमा कराना पड़ता है। तीन साल की सफलतापूर्वक जैविक खेती करने के पश्चात् एजेन्सी किसानों के समूह को ऑर्गेनिक सर्टिफिकेशन प्रदान करती है।

ऑर्गेनिक सर्टिफिकेशन होने के पश्चात किसानो के उत्पाद (फसलों) को कम्पनी द्वारा बाजार भाव से अत्यधिक भाव में खरीदा जाता है। जिससे किसान की आर्थिक स्थिती में सुधार होता है तथा अपनी फसलों का उचित दाम प्राप्त होता हैं। कितनी भी अधिक यूरिया/डी.ए.पी व अन्य खाद डालो उपज बढ़ेगी कैसे ? जब तक मिट्टी में जान ही नहीं होगी। आर्गेनिक (जैविक) खेती मिट्टी में जान वापस लाये।

औषधिय फसलें

ऐलोविरा :– यह औषधिय पौधा एक से दो फिट ऊँचा बहुवर्षीय मांसल होता है। इसके पत्ते दो फिट लम्बे और चार इंच चौड़े होते है। आयुर्वेद में यह रामबाण औषधि है जो लाभ पहुचाने में प्रमुख होती हैं।यह नेत्र रोग वमन, खांसी ,विसर्प चर्मरोग कुष्ठ पीलिया पथरी और वृण डायबिटीज में यह लाभदायक है।

स्टीविया :– यह रिबौडियाना एक बहुवर्षीय कोमल हर्ब है। इसकी पत्तियों से प्राप्त मिठास डायबिटीज रोगियों के लिये मीठे का एक अति उत्तम विकल्प माना जाता है इसकी पत्तियो में शुगर से 250 गुना मीठापन होता है तथा सुक्रोज से 300 गुनी मीठी होती है।

लेमनग्रासः– यह नींबु घास भारत वर्ष के विभिन्न भागों में उत्पन्न होने वाली घास है जिसका उपयोग सुगंध उघोग में भी होता है। तथा ओषधिय कार्य हेतु भी इसके साथ–साथ

इसे विभिन्न खाद्य पदार्थो के उत्पादन में भी उतनी ही बेखूबी प्रयुक्त किया जाता है जितना पेय पदार्थो उत्पादन में। इसे दो रूपो में उपयोग में लाया जाता है – तेल व पत्तो के रूप में।

सतावरः– यह समुद्र तट से 7000 फुट की ऊचाई तक पाया जाता है। इसकी जड़े मुख्य रूप से औषधिय उपयोग मे ली जाती है। सतावर की जड़े मधुर व रस युक्त होती है यह स्त्री रोग ,ऐनिमिया बलवर्धक दुग्धवर्द्धक मूत्रवर्धक अतिसार रोधक पौष्टिक एवं जनेन्द्रिय संबंधित दुर्बलता आदि में सहायक।

सहजनाः– सहजना के वृक्ष को इतनी विशेषताएँ प्रदान है कि हमारी हवा पानी मिट्टी खराब नही होने देती है। यह पुरा पेड़ बड़ा चमत्कारी है। इसकी सभी अंग उपयोग में आते है। इसकी पत्तिया टहनिया पशुओं के लिये पौष्टिक चारा के रूप में तथा इसे खेत में मिलाये तो उससे जड़ो में लगने वाले सड़न और गलन से मुक्ति मिलती है इनके अलावा इसका गुदा अखबारी कागज बनाने के काम भी लाया जाता है। छाल रस्सिया बनाने में। फलियो को बेचकर आर्थिक आय प्राप्त की जा सकती है।

मालाबार नीमः– यह कम समय में तेजी से बढ़ने वाला सुन्दर पेड़ है। इस पेड़ की आयु 50 वर्ष की होती हैं इसी दौरान कम समय में अच्छी आय का स्त्रोत है। इसका तना 9–10 मीटर गोल होता है। एवं खेती बड़े पैमाने पर भी कर सकते है। इसकी पत्तिया,डंडिया एवं लकडी से प्लाईवुड फर्निचर आदि कम्पनीयों में काम आते है।

सफेद मूसलीः– यह औषधिय उपयोग की प्रमुख वनस्पति है जो जानी मानी हर्ब है। जिससे बहुत सी बिमारियों पुरूषों के यौन में उपचार में प्रयोग आते है। मुसली के पौधे की जड़े मूसल के समान होती हे। इसका रंग सफेद होता है सफेद मूसली के पौधे बरसात के समय लगते है। सर्दी के शुरूआत हेाते हीं रोपण के तीन–साढे तीन माह बाद जमीन के ऊपर का हिस्सा पाला पड़ने लगता है तथा पत्तियों सुख जाती है। लेकिन जड़ें भूमि में परिपक्व होती रहती है।

अमृताजंली आयुर्वेद औषधिय फसलों की खेती करवाती है वापिस खरीद एग्रीमेंट के साथ

Medicinal Cultivation training

कृषि पाठशाला में दी जाने वाली जानकारी :-

1 जैविक व औषधीय खेती की जानकारी

2 मिटटी व पानी के जॉच

3 सरकारी योजनाओं

4 अच्छी क्वालिटी के बीज व पौधो

5 फसलो में होने वाली बिमारीयों

6 कीटनाशक की जानकारी

7 जैविक खाद

8 वर्मीकम्पोस्ट की जानकारी

9 कृषि विशेषज्ञो द्वारा प्रशिक्षण

10 बीमा योजनाओं

11 खेती से व्यवसाय

12 नई तकनीक से खेती

13 कृषि से लेकर मार्केटिंग तक

14 कृषि लघु उधोगो , हर्बल उधोगो

15 ड्रिप सिस्टम व बुंद–बुंद सिंचाई की जानकारी

Workshop

We'd like to thank you for your keen interest in "Krishi Pathshala" which is a comprehensive workshop on Technical and Practical Know- How on the Plantation, Cultivation, Harvesting and Processing of Aloe Vera, Stevia and Other Medicinal Herbs.

India's Agriculture sector contributes to 16% of its GDP and provides 50% employment. However, this sector is still ignored by most of the educated people because of sheer lack of Technical knowledge.

Amritanjali wants to bridge this gap between the educated people and agriculture sector. We'll provide you an Extensive Training Program which will be
"An answer to all your Queries regarding Good Agriculture Practices."

The workshop will include the below mentioned topics

- Theoretical and Technical Details on Subsidies provided by Government Bodies
- Cultivation, Harvesting and Maintenance Procedures for various Medicinal herbs like aloe, stevia, moringa, satavar etc.
- Describing various Processing Procedures for Medicinal Herbs.
- Understanding initial costing and Return on Investment
- Sharing various marketing strategies for Medicinal Herbs
- Demonstration of Various Medicinal Herbs like Aloe Vera, Stevia, Moringa, Satavar, Tulsi, etc.
- Explaining the Vermi-culture process and demonstrating other Organic Fertilizer
- Defining Organic Farming and explaining various Good Agriculture Practices.

Following are the details about the workshop
Workshop Duration : 9:30am to 6pm
9:30am to 10am – Breakfast
1:30pm to 2pm – Lunch
: 10am to 1:30pm – Theoretical Details
: 2pm to 6pm – Practical Demonstration

The workshop fees details are as follows
Workshop (Inclusive of Breakfast and lunch) : **Rs. 3,000/-**
in Udaipur Raj.

Kindly, either make the complete payment or Rs. 3000/-payment. Following are the payment details:

Payment Mode : DD or Bank Transfer

Bank Account Details

Bank : ICICI Bank
Branch : Vidhya Bhawan Society Campus, Udaipur
IFSC Code : ICIC0006943
Account Name : Amritanjali ayurved opc. pvt. Ltd.
Account Number : 694305500180

The dates and venue will be confirmed after part or full payment of the Workshop fees.

Should there be any query, please don't hesitate to contact us.

We look forward to seeing you at the Workshop.

Contact no.- 8529388815 , 7073972889

Click on the link below

https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSeCCCFj8aXcWERUMTT5JfUwbTOZraRmbogYHhz9c3AqmWvHbQ/viewform

Thank you

Thank you